

संपादकीय स्कूलों में हो सुविधाएं

स्कूल ली शिक्षा में बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ है, लेकिन डिजिटल एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। स्कूलों की संख्या बढ़ी है, लेकिन और राज्यों के बीच टीवी-स्टडी-रेजेमेंट में ड्रॉपआउट दर बढ़ी है, और साक्षरता विभाग की ओर से सांचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लॉस की ताजा रिपोर्ट देख के रखती इफारस्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिवकरों की भी झलक देखी है, कि जिन्हें दूर किया जाना चाही है। रिपोर्ट में यह बत था कि देश के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बद्दल हुई है। करीब 90% स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन आपर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मरसलन, फंकशनल कंप्यूटर महज 57.2% स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9% स्कूलों के पास इंटरनेट एक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की रिपोर्ट के मुताबिक 66% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे।

यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14,66 लाख से बढ़कर 14,71 लाख हो गई ही हाने इनमें वाला रस्ट्रॉटेस प्लॉलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज़ - लड़के लड़कियां, ऑफिसी, अल्टरसेक्यूरिटी में हो गया है।

जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्कूल-ट्रॉटेस के रखती छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी रेटेज में होने वाली बढ़ती धूम देख लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2% है, वह सेकंडरी रेटेज में आकर 10.9% तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे ऑफिसी और एससीटी/एसटी कैटिगरी के स्कूल-ट्रॉटेस का दाखिला के ड्रॉपमेंट स्ट्रॉक्स ग्रोसरी सेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक वार्षे पर पोर्ट-मैट्रिक रॉक्सरशिप जैसी सुविधाओं की काम का हाय हो सकता है। एक और अन्य पहल है कि रस्ट्रॉटेस के अनुपात कारीगरी पीड़ितार का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर पीड़ितार राज्यीय शिक्षा नीति के तहत मानक याई 30:1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असमी, अंडिशा और कर्नाटक जैसे राज्य कामों पीछे नजर आते हैं।

कुल मिलाकर, देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इफारस्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में एक जा रहा प्रकाशों का असर दिखाया है। लेकिन इस दौरान नई बुनियादी भी उपर रही हैं, जिनकी अनेकों नहीं की जा सकती। बूनियादी एक्युकेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखें तो ड्रॉपआउट के ट्रॉड्स और ढल्फर खास ध्यान देने का जरूर तरह है।

क्रषि धन ने सीनिट ओवर के क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के स्टार ऑलराउंडर और भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके क्रषि धन ने सीनिट ओवर के क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। उसी साल जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला और एकमात्र टी20 मैच खेला। हालांकि हिमाचल प्रदेश की काठानी कर रहे त्रिपुणी ने वह धोया अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये। उन्होंने लिखा कि वह फैसला भारी मन से लिया गया है, लेकिन उन्हें अपने करियर पर गर्व है और कोई पछतावा नहीं है।

त्रिपुणी ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा है कि वह संन्यास सिर्फ़ सीनिट ओवर के क्रिकेट से है। इसका मतलब है कि वह खेल के सबसे बड़े प्राप्त में खेलना जारी रखेंगे। रणजी ट्रॉफी के बाकी बचे दो मुकाबले में उनके हिस्सा लेने की उम्मीद है।

त्रिपुणी ने भारत के लिए तीन

वनडे और एक टी20 मैच खेला है। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। उसी साल जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला और कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुझे दिए गए मौकों के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं साथारण शुरुआत से लेकर अपने देश के सबसे बड़े मौकों पर प्रतिनिधित्व करने तक, यह मेरे लिए एक असाधारण सम्पादन रहा है।

त्रिपुणी ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा है कि वह संन्यास सिर्फ़ सीनिट ओवर के क्रिकेट से है। इसका मतलब है कि वह खेल के सबसे बड़े प्राप्त में खेलना जारी रखेंगे। रणजी ट्रॉफी के बाकी बचे दो मुकाबले में उनके हिस्सा लेने की उम्मीद है।

मैं इस अवसर पर बीसीसीआई

(भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के खिलाफ प्रदेश क्रिकेट एसेसिंशन (एचपीएस), पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुझे दिए गए मौकों के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं साथारण शुरुआत से लेकर अपने देश के सबसे बड़े मौकों पर प्रतिनिधित्व करने तक, यह मेरे लिए एक असाधारण सम्पादन रहा है।

घरेलू क्रिकेट में त्रिपुणी का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा। बोतल विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 196 की घोषणा की थी। वह एक ऐसा खेल है जिसमें पिछले 20 वर्षों से मेरी जिंदगी को परिवर्षित किया है। इस खेल के मुझे अपार खुशी और अनगिनत यादें दी हैं, जो हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेर्हे।

त्रिपुणी ने भारत के लिए तीन



ऑस्ट्रेलिया के नए खिलाड़ियों को डराने की भारत की मानसिकता कारगर नहीं रही: जॉनसन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन का मानना है कि हाल ही में सिडनी टेस्ट के दौरान सैम कॉस्टास और ब्यू वेबस्टर जैसे ऑस्ट्रेलियाई नए खिलाड़ियों को डराने के लिए भारत की हाली बनाना 11 की मानसिकता कारगर नहीं रही।

इस मैच में, भारत की इंडियां में छह विकेट से हार का समाप्त करना पड़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एक दशक के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीती। भारतीय टीम ने मैदान पर दो बनाना 11 की मानसिकता को अपनाया, जिसका उद्देश्य ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अलान-थलान और दबाव में महसूस करना था। उनका ध्यान न केवल अपने विरोधियों के तकनीकी कौशल का परीक्षण करने पर था, बल्कि उनकी मानसिक दृढ़ता को चुनौती देने पर थी।

टेस्ट क्रिकेट में, ऐसा माहौल बनाना महत्वपूर्ण है, जहां बल्लेबाज



अपने प्राथमिक उद्देश्य से विचलित हो जाए। वह मनोवैज्ञानिक बढ़त अवसर खेल में किसी भी शारीरिक कौशल जिसनी ही महत्वपूर्ण साकृत हो सकती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

लिखा, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को डराने की कोशिश करना वास्तव में कारगर नहीं रहा, क्योंकि कोस्टास और ब्यू वेबस्टर दोनों ने अपनी योग्यता साकृत की।

साथ ही, जॉनसन ने कहा कि

कोस्टास का पहले दिन जसप्रीत

को आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि वह एक दिन के लिए अनुभवी साथियों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जॉनसन ने कहा कि कोस्टास का

प्रयोग जाएगा।

तुर्भत में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर आत्मघाती हमला

47 सुरक्षाकर्मियों की मौत, 30 से ज्यादा घायल

बलुचिस्तान। पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शनिवार को बलुचिस्तान के तुर्भत के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बलुच लिवरेशन अमरी (बीएलए) के मजदूर बिगेड ने आत्मघाती हमला किया। इस हमले में 47 सुरक्षाकर्मी की मौत होने की खबर सामने आ रही है। वहाँ 30 से ज्यादा के घायल होने की बात कही जा रही है। बातें दें कि पाकिस्तानी सेना के काफिले पर वे हमला तुरंत शहर से लगाया था। किलोमीटर दूर बेहमान क्षेत्र में शाम 5:45 बजे (स्थानीय समय) हुआ।

13 वाहनों पर किया गया हमला

इस हमले को लेकर बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलुच ने बताया कि हमला 13 वाहनों के काफिले पर किया गया, जिसमें पांच बसें और सात सैन्य वाहन शामिल थे। उन्होंने बताया कि ये वाहन कार्राई से तुरंत स्थित प्रिंटिंग कोर (एफसी) मुश्किल या जा रहे थे। काफिले में एक्सो के विभिन्न विस्त



के कर्मी और एक सेवानिवृत्त सेना बस पूरी तरह से नष्ट हो गई, जबकि अन्य बसें आशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई और एक सैन्य वाहन विस्फोट में नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि यह हमले उनकी खुफिया जानकारी और आत्मघाती हमलाकरों

जीराब की मदद से समन्वित किया गया

था। साथ ही बीएलए ने कहा कि इस हमले की सफलता उसकी खुफिया जानकारी और आत्मघाती हमलाकरों

के बलिदान को दर्शाती है। उनका कहना था कि यह हमला पाकिस्तान को यह संदेश देता है कि बलुचिस्तान की जमीन कभी भी कब्जे वाले राज्य के लिए सुरक्षित नहीं होगी।

बीएलए ने पाकिस्तानी सेना पर लगाए आरोप

बीएलए ने पाकिस्तानी सेना पर बलुच लोगों को प्रताड़ित करने और कई लोगों को जबरन गायब करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने परिवहन यानी 1.18 लाख करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस विशाल परियोजना को आशंकाओं को खारिज किया।

हमले को लेकर बीएलए ने यह भी कहा कि बलुचिस्तान के राजमार्ग सेना, राज्य एवं और निवेशकों के लिए असुरक्षित रहेंगे। इस दौरान अधिकारियों ने पहले बताया था।

भारतीय सीमा पर 1.18 लाख करोड़ का बांध चीन बोला - जल प्रवाह से जुड़ी चिंता बेबुनियाद



चीन ने 2015 में बिल्बत में सबसे बड़े, 1.5 अरब डॉलर के जम जलविद्युत स्टेशन को बहले ही चालू कर दिया है।

ब्रह्मपुत्र पर बांध के निर्माण की योजना को लेकर भारत में चिंताएँ पैदा हो रही है क्योंकि बांध के आकार और पैमाने के बायां को जलवायु परिवर्तन का समान करने में मददगार साबित होगी। बता दें, ह्यायारलुंग जांगोबाल ब्रह्मपुत्र का बिल्बत नाम है। बांध प्रवाह का नियन्त्रित करने का हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा, जहां ब्रह्मपुत्र नदी तानानी के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ लाने के लिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़ने में भी सक्षम हो सकता है। भारत ने हाल ही में जाली थी।

बुद्धा एयरलाइन के विमान के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने एक बयान जारी करके इसके बाद आपात लैंडिंग की और सुरक्षित हवाई अड्डे पर लैंड आया। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता।

बुद्धा एयरलाइन के इंजन में लगी आग, काठमांडू नें कर्याई गापत लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल की बुद्धा

सुरक्षित है।

बीओआर

लैंडिंग

पायलट सुदूर प्राइंट-बेस्ट रेडियो स्टेशन जिसे बीओआर (वेरी हाई फ्रॉकवेसी ऑम्निड्योवेक्शनल रेज) कहा जाता है, से सिग्नल का उत्तोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रखने के साथ हवाई जहाज को एक सीधे में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धूंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रू

ऐपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम का सफल और शानदार रहा उद्घाटन समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने में गाजियाबाद नगर निगम की अहम भूमिका



अतिथियों का आगमन होयाफिर त्योहार सम्मान के साथ व्यवस्था में रहता है विभाग : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ऐपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। व्यवस्था में सभी अधिकारी तथा टीम रही गाजियाबाद नगर निगम लगातार कार्यक्रम से पहले तथा कार्यक्रम के बाद भी व्यवस्था में जुटा दिखाई दिया। मोहन नगर तिरहों से लेकर यूपी गेट तक गाजियाबाद नगर निगम अधिकारी ने व्यवस्था को संभाले रखा। नियमित होने वाले कार्यों के साथ-साथ अन्य कार्यों को भी आवश्यकता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से कराया गया जो की सराहनीय है। नियमित विभाग नियमित पानी का छिड़काव का कार्य, प्रकाश विभाग द्वारा मार्ग को सुंदर लाईटों से सजाया गया तथा नियमित

गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम की अहम भूमिका रही। तस्वीरें गवाह हैं कि नगर आयुक्त खुद भी एक नियमित विभाग के लिए एक कार्यक्रम को सफल बनाने में एक्टिव दिखाई दिए।

लाईटों को व्यवस्थित करने के कार्य को रफतार दी गई। इसी के साथ-साथ उदान विभाग द्वारा भी नियमित ग्रीन बल्ट सेटल वर्ज के कार्यों पर विशेष बल देते हुए ग्रीनरी को बढ़ाया गया तथा नियमित रूट पर रेंग बिरंगी फूल गमले में अन्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर

कार्य कराए गए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित सफाई के साथ-साथ अन्य व्यवस्था को भी सुधार किया गया।

गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर



सिस्टम के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर गाजियाबाद नगर निगम के सभी विभाग गत-दिन व्यवस्था में दिखाई दिए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गाजियाबाद नगर निगम की अहम भूमिका रही।

शहर के सम्मान में आयोजित कोई भी कार्यक्रम को सफलता तथा शानदार तरीके से संपन्न हो निगम की अहम भूमिका दिखाई देती है लगातार नगर आयुक्त खुद भी मानियरिंग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में दिखाई देती है लगातार नगर आयुक्त खुद भी मानियरिंग करने के लिए दिन-रात मेहनत करें निर्देशित किया गया।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विभाग योजनाओं में अनावृत्ति पर्सेटों को पहले आओ, वहाँ पांच योजना में शामिल किया गया।

इसके लिए जीडीए विभाग योजनाओं में कैप का आयोजन कर लाभ उठाएं और छोटी

पर ही बुकिंग भी कर सकते हैं।

लाउड स्पीकर से दी जा रही

जानकारी

इंद्रप्रस्थ आवासीय योजना में शुरू किए गए कैप की जानकारी है घर तक हूंचाने के लिए योजना और आसपास के क्षेत्र में लाउड स्पीकर के जरिए लगातार प्लॉट्समेंट की जा रही है ताकि सेक्टर से अधिक से अधिक लोग कैप का लाभ उठाएं और छोटी पर्सेनियरों के लिए उन्हें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के साथ-साथ अन्य योजनाओं के लिए दिन-रात मेहनत करें निर्देशित किया गया।

लोक संवाद के जरिए समर्थन का निवारण कराएं

सीरीज लाइन का काम तेज करने के निर्देश

इसके अलावा जीडीए के मुख्य अधिकारी ने मार्ची चौक से जल निगम के मेन होल नंबर 28 के सीवर लाइन डालने के कारण का नाम दिया। योजना के मार्ची पर्सेनेस चार्ज जमा करने की शुरू की गति पर नाराजी जाहिर की निरीक्षण के दौरान चीफ इंजीनियर ने काम में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अधिकारी ने साथ-साथ योजना में उपलब्ध पर्सेटों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए। पार्श्व राजकुमार भाटी का कहना है कि हमारे पूजनीय पिता देवी सिंह हमारे बीच नहीं है। उनका 2 मीलीने से अस्तरात में उचाचार चल रहा था, पियांडी बहुत बढ़ाता था। उनका निधन रविवार को रात को दिल्ली के फोर्टिस एक्स्कॉर्ट द्वारा सिपाल में हुआ। इस दुखी की घड़ी में दैनिक करते क्राइम परिवार भाटी परिवार के साथ खड़ा है।

वैथाली के वार्ड 89 के पार्षद राजकुमार माटी के पिता के निधन पर शोक

पिता प्रेम की भरपाई करना असंभव : करंट क्राइम परिवार दुख की घड़ी में दैनिक करंट क्राइम परिवार भाटी परिवार के साथ



साहिबाबाद (करंट क्राइम)।

वैथाली के वार्ड संख्या 89 के पार्षद राजकुमार भाटी का पिता प्रेम जी के वार्ड का निधन हो गया। वे अपने पौछे तीनों पुत्र-एक पुरुष समेत भारा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार ग्राम मुरादगढ़ी रेल्यूरा जेवर शमशान घाट पर किया गया। उनके निधन की जानकारी मिलते ही कोकी संस्कार में लोग शोक जाने के लिए शोकाकुल

परिवार के घर पहुंच गए। पार्श्व राजकुमार भाटी का कहना है कि हमारे पूजनीय पिता देवी सिंह हमारे बीच नहीं है। उनका 2 मीलीने से अस्तरात में उचाचार चल रहा था, पियांडी बहुत बढ़ाता था। उनका निधन रविवार को रात को दिल्ली के फोर्टिस एक्स्कॉर्ट द्वारा सिपाल में हुआ। इस दुखी की घड़ी में दैनिक करते क्राइम परिवार भाटी परिवार के साथ खड़ा है।

परिवार के घर पहुंच गए। पार्श्व राजकुमार भाटी का कहना है कि हमारे पूजनीय पिता देवी सिंह हमारे बीच नहीं है। उनका 2 मीलीने से अस्तरात में उचाचार चल रहा था, पियांडी बहुत बढ़ाता था। उनका निधन रविवार को रात को दिल्ली के फोर्टिस एक्स्कॉर्ट द्वारा सिपाल में हुआ। इस दुखी की घड़ी में दैनिक करते क्राइम परिवार भाटी परिवार के साथ खड़ा है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डरों की ममतानी चल रही है।

राजनगर एक्सप्रेस चार्ज जमा करने के मन्त्र फेल होने के बाद सिद्धार्थ विवार की अवासीय नियमित विभाग ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद एक्सप्रेस चार्ज जमा करने के मन्त्र फेल होने के बाद सिद्धार्थ विवार की अवासीय नियमित विभाग ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डरों की ममतानी चल रही है।

राजनगर एक्सप्रेस चार्ज जमा करने के मन्त्र फेल होने के बाद सिद्धार्थ विवार की अवासीय नियमित विभाग ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय नियमित विभाग के साथ-साथ अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग की अवासीय नियमित विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ-साथ

परिवार के घर पहुंच गए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने योजना के अंतर्गत विभाग के साथ